रिजवान, 2006

बहाउल्लाह की संविदा (Covenant of Bahá'u'lláh) के समस्त विश्वासपात्र व अग्रगणी समर्थक जो सम्पूर्ण विश्व के विभिन्न भागों से सम्बन्धित है।

अति प्रिय मित्रों,

शोगी अफेन्दी की मृत्यु के पश्चात दिया जा रहा यह संदेश बहाउल्लाह की संविदा (Covenant of Bahá'u'lláh) के सभी पराकमी एवं कियाशील समर्थकों के लिए है, जिनके निरन्तर परिश्रम का स्रोत ईश्वरीय अनुकम्पा है । यह संदेश उस अतुलनीय समारोह का प्रतीक है, जिसकी नींव आधुनिक महत्वपूर्ण प्रगतिशील कार्यो से सम्बद्ध है । इसी दिशा मं लगभग पन्द्रह अनुयायी दक्षिण पूर्वी एशिया के बैंकाक तथा थाईलैण्ड राज्यों से है तथा एक हजार अनुयायियों का समर्थन म्यॉंमार (विगत में बर्मा) यॉंगून (विगत में रॅंगून), मांडलय, फारसी तथा बर्मी मान्यता से है, जिन्होंने मेरा संरक्षण स्वीकार किया है ।

सर्वाधिक प्रेरणादायक विकास उस अति कुशाग्र एवं कुछ समय पूर्व से ही संस्था से सम्बन्धित डेनियल हैवनर नाम एक 28 वर्षीय अनुयायी के प्रयासों का फल है । यह तृतीय पीढ़ी का अमरीकन बहाई युवक अलौकिक रूप से इस सफलत4ा को अर्जित करने की क्षमता रखता है । डेनियल हैवनर पहले दक्षिण पूर्वी एशिया का विद्यार्थी था और अपने शिक्षण एवं एन0जी0ओ0 की कार्य अवधि में उसे सभी बहाईयों से मित्रता करने का अवसर प्राप्त था, उसने शिक्षा ग्रहण की तथा बहाई भाषाओं में न केवल कुशलता प्राप्त की, अपितु एक समय में बैंकाक की भक्ति सभा में इसे भी सदस्यता प्राप्त हुई । मेरी समझ से म्यॉंमार में इसकी अतुलनीय सफलता का एक स्रोत पारसी बहाई है, जो कि एक संरक्षक की प्रतीक्षा में है । इनमें से कई जोरोस्ट्रीयन मान्यता के भी माने जाते है। यह उल्लेखनीय है कि म्यॉमार में ही बसे एक तुर्की अनुयायी ने स्वत: ही हमारे ग्रन्थों को तुर्की भाषा में अनुवाद करने की इच्छा प्रकट की है।

यदि सभी ने नहीं तो अधिकांश अनुयायियों को ज्ञात होगा कि डेनियल ने 23 फरवरी 2006 को बेथ रोड्स से हुए दूरभाषिक (टेलीफोनिक) सम्पर्क के द्वारा इस संस्था के प्रति प्रभाव जागृत हुआ था। तत्पश्चात् इसी दिशा में की गयी खोज से उसे सत्यता का बोध हुआ और इस प्रकार उसने बहाउल्लाह की संविदा का संरक्षण स्वीकार कर लिया । उसने यह सूचित किया है कि वह अपने शिक्षण द्वारा हमारे ग्रन्थों का अनुवाद कर उनका अधिक से अधिक अनुयायियों के मध्य प्रचार करेगा। दूसरी ओर बेथ रोड्स भी अगली संगोष्ठी में अपने सारे रोचक तथा सूचनाप्रद विवरणों का उल्लेख करेंगें, जिनमें डेनियल से लिया गया दूरभाषिक वार्तालाप भी सम्मिलित होगा। इस अनुबंध के पश्चात् डैनियल ने थाईलैण्ड और म्यॉंमार जैसे देशों में सर्वाधिक शिक्षण कार्य किया है । यही नहीं लगभग एक हजार पुस्तिकाएॅं भी प्रकाशित की जा चुकी है, जिसकी प्रति की प्राप्ति का सौभाग्य मुझे भी प्राप्त होगा । डैनियल धर्मभुजा मारिलियन मेयर, फ्रैंक स्केल्टर एवं मेरे पुत्र जोएल तथा मुझसे लगातार ई-मेल द्वारा सम्पर्क में रहता है । बहाउल्लाह की संविदा के पवित्र तथा अनश्वर "Child" की पूर्णरूपेण सफलता को अर्जित करने में डैनियल की अद्वितीय सहायता एवं प्रयास की प्रशंसा में शब्दों द्वारा करने में असमर्थ हूॅं।

कार्यालय में दक्षिण पूर्वी एशिया के उन नये अनुयायियों का नामांकन करने हेतु मैने प्रोविजनल नेशनल बहाई काउन्सिल आफ इण्डिया (पीएनबीसी) को प्रशासनिक दायित्व सौंप दिया है । डेनियल भी बर्मा के हजार अनुयायियों की सूची इस काउन्सिल को भेजेगा । इस सूची की प्राप्ति तथा इसके पीएनबीसी के द्वारा मान्यता प्राप्त होने के पश्चात जब मुझे भेजी जायेगी, तब जैसा उचित होगा, मै मदर बहाई काउन्सिल के सदस्यों का नामांकन करूॅंगा। यह मदर बहाई काउन्सिल योजनानुसार प्रत्येक देश की राजधानी में तब तक स्थित होगी, जब तक उचित समय के अनुसार पीएनबीसी का निर्माण तथा इसके गठन एवं एन.बी.सी. के चुनाव का आयोजन मान्यता प्राप्त नहीं हो जाता है ।

इन संस्थाओं के स्व-निर्माण अथवा चुनावी निर्माण के पश्चात् ये विभिन्न देशों के अनुयायियों का नामांकन स्वीकृत एवं प्राप्त करने में सक्षम मानी जाएॅंगी ।

पिछली बहाई प्रशासनिक काल अवधि में अर्जित सफलताएॅं जिनके केन्द्र संयुक्त राज्य आफ अमरीका (USA) व भारत माने गए हैं, उल्लेखनीय हैं:-

भारत में (In India)

PNBC की रिपोर्ट के अनुसार:-

1. उन केन्द्रों का किराया जिनका उपयोग परिषद तथा बहाई सम्मेलनों के लिए किया जाता है ।
2. आधुनिक प्रणाली के बहाईयों द्वारा पीएनबीसी की वेबसाईट विजिट, पूॅंछताॅंछ, जिज्ञासा आदि का विचार ।

3. अस्ट्रेलिया, अफ्रीका, थाईलैण्ड, कैनेडा, ईरान व भारत आदि देशों से भी PNBC की वेबसाईट का आँकलन ।

4. आधुनिक प्रणाली के बहाई द्वारा पीएनबीसी की इण्टरनेट पब्लिसिटी या कम्प्यूटरीकृत प्रचार पर तर्क वितर्क ।

5. शोगी अफेन्दी की मृत्यु के पश्चात् PNBC के वेब पेज पर प्रचार हेतु सम्मिलित किया गया एक सर्वश्रेष्ठ व अद्वितीय एक पत्र भी था जो कि भारत की लखनऊ में स्थित आध्यात्मिक सभा के सदस्यों के प्रयास का फल था। यह पत्र हाइफा में कार्यरत उन सदस्यों को यह सूचित करने के लिए था कि जब तक कोई दूसरा संरक्षक संस्था का कार्यभार नहीं सम्भाल लेता तब तक कार्य स्थगित रहेगा । यह पत्र द यूनीक एक्शन आफ एल.एस.ए. आफ लखनऊ (Uniqu Action of LSA of Lucknow) नामक पुस्तक में सम्मिलित है तथा इसका हिन्दी अनुवाद भी उपलब्ध है ।

6. वर्ष 1917 में मैसन रेमी द्वारा लिखी गयी "द मशर्क इल अस्कर" शोगी अफेन्दी द्वारा किये गये अनुवाद के पश्चात् "मशरिकुल ए अधकार" लखनऊ के श्री गुप्ता के पास पायी गयी ।

7. "द बहाई गार्जियन" नामक लेख प्रकाशित होने के उपरान्त 400 स्थानीय पतों पर डाक द्वारा भेजा गया ।

8. द अल्टीमेट डिल्यूसन नामक लेख कम्प्यूटर पर भेजे जाने के उपरान्त 35 स्थानीय पतों पर भी भेजा गया ।

9. बहाई मित्रता व संरक्षण पर आधारित राष्ट्रीय परिषद द्वारा लिखा "OBF" नामक लेख संक्षेप में मित्रता की प्रगाढ़ता व बहाई राज्य के इतिहास का सूचक है । प्राचीन बहाई मित्रता पर आधारित डा0 पारिख का एक और लेख लिखा जा रहा है ।

10. भारत के प्राचीन बहाई विश्वास का कम्प्यूटर पर संबोधन करने हेतु एक विभिन्न स्वरूप ।

11. इसी दिशा में कल्यान, डोम्बीविली, नागपुर, थाने सिटी, मुम्बरा, चेम्बूर, न्यू मुम्बई, अन्धेरी, कोलाबा तथा बड़ौदा में की गयी यात्राएँ ।

12. प्राचीन बहाई परिषद नामक एक सर्वश्रेष्ठ वेब पेज की रचना दिल्ली के अनुयायियों द्वारा की गयी है । इसको हम URL http://obcdelhi.bravehost.com/ पर देख सकते हैं ।

<u>संयुक्त राज्यों में (In the United States)</u>

1- "द वर्ल्ड आर्डर आफ बहाउल्लाह कान्टीन्यूअस टू अनफोल्ड" (The world order of Baha'u'llah continues to unfold) नामक पुस्तक में प्रकाशन द्वारा अब्दुल बहा की अधिकांश शिक्षाएँ, मैसन रेमी की अधिकांश शिक्षाएँ उनका सम्बोधन, मेरा सम्बोधन, रूहिया खानुम के चार पुत्र तथा ग्यारह लेख सम्मिलित हैं । इस पुस्तक का सम्पादन एवं प्रकाशन मेरे पुत्र मार्क द्वारा किया गया है। जिसके प्रयासों के कारण यह पुस्तक काँग्रेस पुस्तकालय तथा वाशिंग्टन के अधिकांश पुस्तकालयों में प्राप्त की जा सकती है । एन.बी.सी. के अमेरिका स्थित विद्यालय के पुस्तकालयों में तथा वहाँ के समस्त अनुयायियों में भी इस पुस्तक का वितरण किया गया। मार्क ने "talk.religion.Bahai" नामक समाचार संगठन को बहाई स्कालर सीरीज नामका शीर्षक से लेख भेजने का कार्य किया है । यह लेख अमेरिका के 70 विश्वविद्यालयों के बहाई क्लबों में भी विद्यमान है।

2. "मदर अर्थ" (Mother Earth) नामक समाचार में NBC के एक विज्ञापन का सम्मिलित किया जाना, जो कि इस प्रकार है-

A Guardian
for a World in Turmoil
The Orthodox Baha'i Faith"
<u>www.bahai-guardian.com</u>
www. bahaisorthodox.com

3. लॉन रोबक द्वारा शिक्षण के क्षेत्र में किये गये प्रयास तथा साल्ट लेक नामक स्थान पर किये गये अतुलनीय प्रचार का केन्द्र पिछले वर्ष के "डे इन द पार्क" (Day in the Park) उत्सव पर आधारित था ।

4. लॉन रोबक द्वारा लगातार दूसरे वर्ष भी 7 अप्रैल को "द इक्यूलिटी आफ मेन एण्ड ओमेन" (The Equility of Men and Women) नामक शीर्षक पर एक कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके सह-आयोजक बारनेस और नोबेल थे । अमेरिका की PNBC द्वारा 3 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया । इस प्रतियोगिता के द्वारा 60 से 80 दर्शकों के बीच संस्था का सर्वश्रेष्ठ प्रचार सम्भव हो पाया ।

5. साल्ट लेक सिटी में आयोजित एक सभा में कैलीफोर्निया की सूसन नोय्स अतिथि वाचक थीं । नारमोन विश्वविद्यालय के छात्रों को संस्था के प्रति आकर्षित करने हेतु इस समय लान कार्यरत है ।

6. जाफरी गोल्डबर्ग द्वारा लिखे गये एक अतुलनीय रोचक एवं ज्ञानवर्धक नाटक के कुछ अंश धर्मभुजा फ्रैन्क स्कैल्टर द्वारा लिखे गये हैं । शोगी अफेन्दी की मृत्यु फ्रैन्क स्कैल्टर के विश्वासघात के कारण हुई, जिससे यह संस्था संरक्षणहीन हो गयी । निश्चित ही यह नाटक एक अमूल्य उपलब्धि के समान होगा, जब यह संस्था पर्याप्त अनुयायियों से परिपूर्ण हो जायेगी, जो कि विद्यालयों, सभाओं, तथा सिनेमाघरों के दर्शकों के समक्ष एक अत्यन्त महत्वपूर्ण ढंग से उन दु:खद घटनाओं का प्रदर्शन कर पायेंगें, जिनके कारण बहाउल्लाह की संविदा का विनाश हुआ ।

7. इन अनुयायियों के अतुलनीय योगदान तथा निरन्तर श्रेष्ठतम बहाई समाचार केन्द्रों पर श्रेष्ठ लेख लिखने की दशा में प्रयासरत रहने के कारण सफलता को प्राप्त किया जा सका । उनके लेखों में यह बात उल्लेखनीय मानी गयी है कि उन्होंने

अपने सहकर्मियों से बहाई संरक्षण, आवश्यकता, अनिवार्यता पर तर्क वितर्क भी किया है । प्रादेशिक बहाई सभाओं का आयोजन उन राज्यों में किया गया है, जिनमें कम से कम साल में 2 बार NBC के मार्गदर्शन पर सभाओं का आयोजन होता है । ये सभाएँ अल्बुकर्क, न्यू मैक्सिको न्यूयार्क में आयोजित की जाती हैं ।

कनाडा में (In Canada)-

1. **रोज कम्पवेल** द्वारा आयोजित एक सभा जो कि प्राचीन बहाई विश्वास पर आधारित थी, का प्रचार मुख्य पृष्ठ पर विज्ञापनों द्वारा किया गया । इस सभा में अमेरिका के भी कुछ अनुयायी सम्मिलित हुए । संरक्षण के पक्ष में रोज बहाई समाचार केन्द्रों में भी अपने लेख भेजते रहते हैं ।
2. मार्टिन लावली द्वारा मेरे लेखें का फ्रेंच अनुवाद जिसके समापन पर वह ज्योल जानी द्वारा वेब पेज के फ्रेन्च विभाग पर भेज दिया जायेगा ।

अस्ट्रेलिया में (In Australlia)-

1. नुसरत बहरमन्द तथा ज्योल जानी के निरन्तर परन्तु कठिन प्रयासों के द्वारा उस वेब पेज का निर्माण किया गया, जो कि संरक्षण के पक्ष में फारसी प्रमाण उपलब्ध कराएगा । यह नुसरत के उन असंख्य लेखों से विपरीत है जो कि वह बहाई समाचार केन्द्रा ंको भेजता रहता है । इसके साथ ही संरक्षण के प्क्ष में ईरान तथा पूर्वी अस्ट्रेलियाई से दूरभाषित सम्पर्क भी सम्मिलित है ।
2. आधुनिक प्रणाली के बहाईयों को आकर्षित करने हेतु प्रत्येक माह मेरे लेख ज्योल द्वारा विभिन्न समाचार केन्द्रों को भेजे जाते है । "द डायबोलॉजिकल सुपरवीजन आफ द एडमिनिस्ट्रेटिव आर्डर", "डू दे रियली केयर" तथा "इट हैज कम टू दिस" (The Diabolical Supervision of the Administrative Order," "Do They Really Care?" & "It Has come to This) जैसे शीर्षक युवाओं के आकर्षण का केन्द्र भी बने है साथ ही इन लेखों के तथ्यों को प्रमाणित करने हेतु भी इन शीर्षकों का उपयोग किया गया । जहाँ तक मेरे वेब पेज की प्रसिद्धि का प्रश्न है, ये लगभग 3300 बार अध्ययन हेतु देखे जा चुके है ।

अपने संरक्षण के 41वें वर्ष का आरम्भ। मै इस संकल्प के साथ करता हूँ कि समस्त अनुयायियों के असंख्य प्रयास जो कि शोगी अफेन्दी की मृत्यु के पश्चात् बहाउल्लाह की संविदा के विरोधियों द्वारा असफल किये जा रहे थे, को अब न केवल सफलता मिलेगी, बल्कि समस्त विश्व में बहाई समुदाय तथा राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा (NSA) को प्रसिद्धि भी अर्जित होगी । इससे न केवल संरक्षण की निरन्तरता रहेगी, बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएँ जिसमें बहाउल्लाह का अज्ञातवास व मृत्यु सम्मिलित है, समाप्त होगी, जिन्होने पिछले कुछ वर्षो में अब तक निरन्तर न केवल बहाउल्लाह की संविदा का अपमान किया है, अपितु हमारी धर्मभूमि की नींव को भी अनधिकृत रूप से ग्रहण कर लिया है (नाजायज ढंग से हथिया लिया है)।

रिजवान की शुभकामनाओं के साथ जो कि बहाईयों के लिए सबसे पवित्र एवं त्यौहारों का शिरमौर माना जाता है ।

ज्यौल ब्रे मॉरैन्जिेला
धर्मसंरक्षक.